

आज का पुरुषार्थ 23 July 2022

Source: BK Suraj bhai

Website: www.shivbabas.org

धारणा – “आओ चले सम्पूर्णता के ओर .. कर्म के साथ योग को मिलाये .. और .. सबसे ब्लैसिंग्स लेते चले ”

हम निरंतर कर्मक्षेत्र पर उपस्थित है। कर्मेन्द्रियों के द्वारा आत्मा जो कुछ करती है उसे **कर्म** कहा जाता है। कर्म का immediate effect भी हमारे **मन पर स्थिति पर पड़ता है**। और कर्मों का संचय भी होता रहता है।

वह एकत्रित भी होते रहते है। जिनका **फल** हमें आगे चलकर भी मिलता है। हर कर्म की सूक्ष्म waves हमारे ब्रेन में भी print होती रहती है।

बाबा ने हमें **श्रेष्ठ कर्म** सिखाये है। **दिव्य कर्म का ज्ञान दिया है**। यदि हम निष्काम भाव में स्थित होकर **योगयुक्त** हो कर कर्म करते है तो हमारे कर्म न केवल पुण्य कर्म बनते है लेकिन दिव्य कर्म भी बन जाते है।

तो कर्मक्षेत्र पर रहते हुए हम यह अभ्यास करते रहेंगे कि →

" मैं इन कर्मेन्द्रियों के द्वारा कर्म करा रही हूँ "

अन्यथा क्या होता है? यदि हमारा कुछ भी **अभ्यास** नहीं चलता तो कर्म हम पर अपना प्रभाव डालते रहते है। **कर्मबन्धन** बनते रहते है। हमें बांधते रहते है। इसको कर्म conscious होना कहा जाता है।

हमें यह करना है, यह करना है। इसके बाद यह करना है। तो मनुष्य टाइम कॉन्शास भी हो जाता है और **कर्म conscious** भी हो जाता है।

Time की consciousness हमारे संकल्पों की स्पीड को बढ़ा देती है। हमारी इनर consciousness को प्रभावित करती है, इनर चेतना को, इनर **विवेक** को प्रभावित करती है।

इसलिए time conscious भी ज्यादा नहीं होना चाहिए। हमेशा पांचुयल तो होना चाहिए। Regular तो होना चाहिए। पर हर समय घड़ी देखते रहे, पाँच मिनट बाकी है, यह करना था... दस मिनट बची है यह करना था।

इससे मनुष्य relax भाव से कर्म नहीं कर पाता। और कर्म उसे कहीं कहीं उलझा देते हैं। और इससे मानसिक शक्तियाँ भी ज्यादा नष्ट होती हैं।
विवेक भी हमारा आनन्द में नहीं रह पाता।

तो हम **सभी कर्मयोगी बने**। विभिन्न कर्मों में, विभिन्न तरह की अभ्यास निश्चित करें। यह तब ही हो सकता है .. इसपर सभी को थोड़ा सा काम करना है।

होमवर्क .. अपनी **दिनचर्या** में जो आप काम करती हैं उनकी एक list बनाये। एक list बनाये। दस बारह भागों में बाँटे। और अलग अलग कर्म में अलग अलग अभ्यास निश्चित करें।

भोजन खा रहे हैं, तो हम बाबा का आह्वान करेंगे। वस्त्र पहन रहे हैं, तो अभ्यास करेंगे ..

" मैं आत्मा हूँ .. यह देह मेरा वस्त्र है "

पानी पी रहे हैं, अभ्यास करेंगे ..

" मैं फ़रिश्ता हूँ " .. कुछ भी पीते हुए

और ड्राइविंग कर रहे हैं, अभ्यास करेंगे ...

" बाबा को आह्वान करेंगे, बाबा को अपने पास बुला लेंगे "

भोजन बनायेंगे ...

" मैं परम पवित्र आत्मा हूँ "

कभी बाबा के किरणों के नीचे बैठेंगे, तो कभी बाबा को अपनी छत्रछाया देखेंगे ...

कभी देखेंगे की ...

" बाबा ज्ञान सूर्य हमारे सम्मुख है "

तो किसी कर्म में किसी विशेष स्वमान का अभ्यास करेंगे। किसी कर्म में आत्म अभिमानी होने का अभ्यास करेंगे।

इसतरह सारे दिन के कर्मों में कुछ अभ्यास fixed करें। पाँच सात दिन में ही उनकी आदत पड़ जायेगी। और हमारा कर्मयोग बिल्कुल नेचुरल हो जायेगा।

तो आइये हम कर्म और योग की बेलेंस के द्वारा सबकी ब्लैसिंग्स ले। बाबा की ब्लैसिंग्स ले।

और आज सारा दिन अभ्यास करेंगे ...

" बाबा मेरे साथ है .. उसकी शक्तियाँ मेरे साथ है .. मैं अकेला कर्म नहीं कर रही हूँ .. परमात्म शक्तियों के साथ मेरा काम हो रहा है "

और ...

" ऊपर से बाबा की किरणों की बरसात मुझ पर पड़ रही है "

॥ ओम शान्ति ॥

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org